प्रश्न – **'वर्तमान समय में अलगाव की समस्या राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिये एक बड़े खतरे के रूप में उभरी है।' समावेशी विकास इस खतरे से निपटने में कहां तक कारगर सिद्ध हो सकता है? पूर्वोत्तर के सन्दर्भ में विश्लेषित कीजिये।** **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें-

- अलगाव को बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता व अखण्डता से जोड़े तथा पूर्वोत्तर के सन्दर्भ में इसे संक्षिप्त रूप से बतायें।

विषय-वस्तु के लिये निम्न बातों पर चर्चा करें-

⇨ **प्रथम पैरा में-**

- भूमिका से जोड़ते हुए अलगाववाद के कारणों का संक्षिप्त विश्लेषण करें तथा पूर्वोत्तर में अलगाव को बतायें, जिसमें निम्न बिन्दुओं को शामिल करें-
- स्वायत्तता की मांग के लिये हिंसा,
- नृजातीय संघर्ष।

⇨ उपरोक्त दोनों बिन्दुओं का पूर्वोत्तर राज्यों के सन्दर्भ में विश्लेषण करें।

⇨ द्वितीय पैरा में प्रथम पैरा से बात को जारी रखते हुए समावेशी विकास को इस समस्या के प्रमुख निदान के रूप में बतायें तथा कुछ अन्य उपाय सुझायें।

⇨ दो पंक्तियों में पूरे प्रश्न पर अपने विचार रखें।

अंत में संक्षिप्त, संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष दें।

नोट:
प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।